इससे ज्यादा प्रतिकूल परिस्थिति क्या होगी जब कांग्रेस सरकार प्रतिशोध पर तुली हो : डॉ. पूनिया

गहलोत सरकार के दबाव में काम कर रहे अधिकारी भाजपा जनप्रतिनिधियों को काम नहीं करने दे रहे, लेकिन चुनावी वर्ष 2023 के शुरू होते ही उनके तेवर बदल जाएंगे : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर के पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला का आयोजन हुआ, इसमें जिला प्रमुख और प्रधान इत्यादि जनप्रतिनिधि को संबोधित किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने जिला प्रमुखों और प्रधानों को संबोधित किया। डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता गांवों के विकास की है, वंचितों के उत्थान की है और गरीबों के कल्याण की है, उसी के परिणामस्वरूप प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस से अधिक जिला परिषद में भाजपा की प्रचंड विजय हुई।

भाजपा के प्रदेशभर के जिला प्रमुख और प्रधानों की कार्यशाला को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, प्रदेश प्रभारी चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया व उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने गुरूवार को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि, पावर लोगों की सेवा के लिए है, लोक कल्याण के लिए है और नरेंद्र मोदी सरकार ने यह साबित करके दिखाया है। जब से पंचायतीराज बना राजस्थान में एक पराम्परा थी कि जिसकी सरकार होती है पंचातीराज पर एकतरफा दो तिहाई दबदबा उन्हीं का होता है, लेकिन राजस्थान में पंचायतीराज बनने के बाद में भाजपा के आप सभी पंचायतीराज के जनप्रतिनिधियों की पूरी टीम पर गर्व कर सकता हूं कि भाजपा के 18 जिला प्रमुख हैं, जो कांग्रेस से अधिक हैं। पंचायतीराज चुनाव में पार्टी के कार्यकर्ताओं के परिश्रम को अभिनंदन करता हूं, इससे ज्यादा प्रतिकूल परिस्थितियां क्या होगी जब कांग्रेस सरकार प्रतिशोध पर तुली हो, परिसीमन के नाम पर कैसे वो पंचायत समिति के वार्ड जीते, कैसे जिला परिषद के वार्ड जीते, ये आप सब लोग मेरे से ज्यादा जानते हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लोकतंत्र और सहकारी संघवाद की बात करते हैं वो दिल्ली तो बाद में जाएं, पहले राजस्थान के पंचाायतीराज का सम्मान करना तो सीखें निरपेक्ष तरीके से, क्योंकि सरकारें आती हैं और चली जाती हैं। राज्य की कांग्रेस सरकार भाजपा के जनप्रतिनिधियों के साथ भेदभाव करती हैं, वहीं केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार सभी 36 कौम के उत्थान के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है।

प्रदेश प्रभारी चंद्रशेखर ने संगठनात्मक योगदान एवं सुशासन विषय पर बोलते हुए कहा कि 2023 के चुनाव की दृष्टि से पंचायती राज जनप्रतिनिधियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, बूथ सशक्तिकरण को मजबूत करते हुए पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी भी जनप्रतिनिधियों को लेनी चाहिए। राजनीतिक चुनौतियां व जन आंदोलन विषय पर तीसरा सत्र संबोधित करते हुए राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के नागौर जिले से पंचायतीराज की शुरुआत हुई, देश की सर्वाधिक लोगों की आजीविका कृषि है, जो पंचायती राज से जुड़ी हुई है, कांग्रेस सरकार ने इस पंचायतीराज की व्यवस्था को खंडित किया और सवा साल तक राजस्थान में चुनाव हुए, लेकिन जनता ने अभी पंचायतीराज चुनाव में कांग्रेस को आईना दिखाया, भाजपा को बड़ी जीत दिलाई। गहलोत सरकार के दबाव में काम कर रहे अधिकारी भाजपा जनप्रतिनिधियों को काम नहीं करने दे रहे, लेकिन चुनावी वर्ष 2023 के शुरू होते ही उनके तेवर बदल जाएंगे।

गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि जनप्रतिनिधि क्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों के बारे में हमें लिखित में देते रहें, ताकि आगामी विधानसभा सत्रों में इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जा सके।

इस दौरान कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री श्रवण बगड़ी, पंचायतीराज प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक काशीराम गोदारा, पंचायतीराज प्रकोष्ठ सह-संयोजक राजेन्द्र मीणा, पंचायतीराज प्रकोष्ठ सह-संयोजक गोरधन सिंह, पंचायतीराज प्रकोष्ठ सह-संयोजक भूपेन्द्र सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।कक

संत विजयदास को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल्ली भेजा

- **डीग क्षेत्र में अवैध खनन के विरोध में आत्मदाह का प्रयास में गंभीर रुप से झुलस गए थे**
- **राज्य सरकार ने उनके साथ चिकित्सकों की विशेष टीम भेजी है।**

जयपुर,(कासं)। भरतपुर जिले के डीग क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ आत्मदाह का प्रयास करने पर गंभीर रुप से झुलसे संत विजयदास महाराज को गुरूवार को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल से ग्रीन कॉरिडर बनाकर सड़क मार्ग से नई दिल्ली भेज दिया गया।

संत विजयदास ने बुधवार को आंदोलन के दौरान खुद को आग लगा ली, जिससे वह करीब अस्सी प्रतिशत तक झुलस गये थे। इसके बाद उन्हें गंभीर हालत में जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से गुरूवार को उन्हें ग्रीन कॉरिडर बनाकर सड़क मार्ग से इलाज के लिए दिल्ली भेजा गया। राज्य सरकार ने उनके साथ चिकित्सकों की विशेष टीम भेजी है।

डीग क्षेत्र में आदिबद्री और कनकांचल पहाड़ पर खनन के विरोध में साधु संतों का पिछले 551 दिनों से धरना-प्रदर्शन चल रहा था। बुधवार को इस घटना के बाद प्रशासन एवं आंदोलन कर रहे लोगों के बीच समझौता वार्ता हो जाने पर धरना समाप्त हो गया।

प्रदेश में करोना के एक्टिव केस डेढ़ हजार के ऊपर पहुंचे

राज्य में गुरूवार को थोड़ी वृद्धि के बाद 23 जिलों में ढाई सौ नए संक्रमित मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश गुरूवार को थोड़ी और वृद्धि के बाद ढाई सौ नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच भरतपुर में एक मरीज की मौत हो गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में फिर रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर डेढ़ हजार के ऊपर पहुंच गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को 23 जिलों में 250 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले बुधवार को 246 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 67 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 61, बीकानेर में 23, भीलवाड़ा में 12, उदयपुर 11, डूंगरपुर में 10, राजसमंद में 9, अलवर में 8, अजमेर में 7, बाड़मेर व जैसलमेर में 6-6, नागौर में 5, चित्तौड़गढ़ व प्रतापगढ़ में 4-4, सीकर, दौसा व कोटा में 3-3, झालावाड़ व बांसवाड़ा में 2-2 तथा भरतपुर, चूरू, जालौर और सिरोही में एक-एक संक्रमित मिला है। वहीं 10 जिलों बारां, बूंदी, धौलपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, करौली, पाली, सवाई माधोपुर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **सबसे ज्यादा 67 नए मरीज जयपुर में जबकि 61 संक्रमित जोधपुर में पाए गए हैं।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से एक मरीज की मौत हो गई है।**

प्रदेश में गुरूवार को केवल 112 ही संक्रमित ठीक हुए हैं। राज्य में रिकवरी में कमी होने से एक्टिव केस बढ़कर 1575 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 437 मामले जयपुर जिले में है। वहीं जोधपुर में 323 और बीकानेर में 144 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में भरतपुर में 1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही यहां अब तक 274 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9577 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर जिले में गुरूवार को 28 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 10 नए संक्रमित सांगानेर में पाए गए हैं। इसके अलावा झोटवाड़ा व वैशाली नगर में 5-5, अजमेर रोड, बनीपार्क, मानसरोवर व सोडाला में 4-4, सिविल लाइंस व सी-स्कीम में 3-3, जगतपुरा, मालवीय नगर, रामगंज व तिलक नगर में 2-2 तथा आदर्श नगर, बरकत नगर, चौमूं, दुर्गापुरा, गांधी नगर, गोपालपुरा, खातीपुरा, महेश नगर, मुरलीपुरा, सांभर लेक, सेठी कॉलॉनी, शांति नगर, शास्त्री नगर और विद्याधर नगर में एक-एक संक्रमित मिला है। वहीं 3 संक्रमितों का पता गलत मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में कोई भी मरीज ठीक नहीं हुआ है।

'747 वेबसाइटों और 94 यूट्यूब चैनलों पर रोक लगाई गई'

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह जानकारी दी

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज कहा कि 2021-22 में मंत्रालय ने देशहित के खिलाफ काम करने वाले यूट्यूब चैनलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। राज्य सभा में एक प्रश्न के उत्तर में ठाकुर ने कहा कि मंत्रालय ने 94 यूट्यूब चैनलों, 19 सोशल मीडिया अकाउंट और 747 यूआरएल के खिलाफ कार्रवाई की है और उन्हें रोक दिया गया है। यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिक अधिनियम 2000 की धारा 69 ए के तहत की गई है।

- **'देशहित के खिलाफ काम करने वाले चैनलों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की है**

मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने फर्जी खबरें फैलाकर और इंटरनेट पर दुष्प्रचार करके देश की संप्रभुता के खिलाफ काम करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

विश्व हिन्दू परिषद ने संत के आत्मदाह को बताया हिन्दू विरोधी

जयपुर। डीग, भरतपुर के ग्राम पासोपा में राजस्थान राज्य सरकार द्वारा संतों की सही मांगों को न मनाने के कारण हिन्दू संत विजय बाबा ने पेट्रोल डाल कर आत्मदाह कर अपने प्राण त्यागने का प्रयास किया है ये वर्तमान राजस्थान सरकार के लिए घोर शर्म की बात है। ओर इस दुखद घटना के बाद जिस प्रकार सम्भागीय आयुक्त द्वारा आनन फानन मे उस खनन क्षेत्र को वन क्षेत्र घोषित करने की कार्यवाही करने का आदेश निकाल गया वो भी निंदनीय है, क्योंकि उसमे कार्यवाही करने कि बात कही गई है न की कोई ठोस निर्णय लिया गया है ओर अंतिम गद्य में लिखा है कि काफी हद तक पूरा कर लेंगे। ये सरकारी 'काफी हद' तक कितना होता है सब जानते हैं। आदिबद्री व कनाकांचल पर्वत को खनन मुक्त कराने कि मांग को लेकर हिन्दू संतों द्वारा कई महीनों से चल रहे धरणा प्रदर्शन पर सरकार ने कुंभकरण की नींद धारण कर रखी थी। 10 दिन पूर्व जब बाबा हरिबोलदास जी ने मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह की चेतावनी दी तब भी राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया अपितु इस घटना को होने दिया। इसलिए ये घटना आत्मदाह नहीं है बल्कि राज्य सरकार द्वारा जघन्य हत्या का प्रयास ही है। ये घटना उदयपुर में कन्हैया कुमार कि जघन्य हत्या जो राज्य सरकार के ही कारण हुई जैसी ही है। उस समय भी सरकार ने समय रहते कुछ नहीं कर घटना को होने दिया था। विश्व हिन्दू परिषद ने इस घटना पर तीव्र संज्ञान लिया है ओर वर्तमान राज्यसरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि हिन्दू समाज को प्रताड़ित करने का विगत महीनों से जो गंदा कार्य ये हिन्दू विरोधी सरकार कर रही है उसके गंभीर परिणाम इसे भोगने पड़ेंगे अब हिन्दू समाज जाग ओर समझ गया है।

- **'ये घटना आत्मदाह नहीं है बल्कि राज्य सरकार द्वारा जघन्य हत्या का प्रयास ही है'**

'पांचना बांध से पूर्व की तरह सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई शुरू की जाए'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने करौली के पांचना बांध से किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं देने के मामले में कहा है कि पूर्व की व्यवस्था के अनुसार पानी की सप्लाई शुरू की जाए। वहीं अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि इस संबंध में किसी ने कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में लेने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं अदालत ने करौली और सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर को कहा है कि वे पानी की सप्लाई का विरोध करने वाली पंचायतों में नोटिस के जरिए अदालती आदेश की जानकारी दें। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश

- **हाईकोर्ट ने जनहित याचिका की सुनवाई में यह आदेश दिये**

ग्रामोत्थान संस्थान की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने कहा है कि यदि किसी को पानी सप्लाई के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह संबंधित जिला कलेक्टर को अपनी आपत्ति दर्ज कराए और कलेक्टर 17 अगस्त तक इन आपत्तियों को अदालत में रखे।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद व अधिवक्ता दीपक शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया जा रहा और पिछले 14 साल से स्थानीय निवासियों को सिंचाई के लिए पांचना बांध, करौली से पानी की सप्लाई नहीं की जा रही है। जबकि पूर्व में बांध से नियमित तौर पर पानी की सप्लाई जारी थी। लेकिन एक संघर्ष समिति के आंदोलन के कारण बांध से पानी की सप्लाई को बंद कर दिया गया। राज्य सरकार कानून-व्यवस्था के नाम पर पानी की सप्लाई रोक रही है। पीआईएल में कहा कि जिस उद्देश्य से बांध का निर्माण किया था वह पूरा ही नहीं हो रहा और 46 गांव के करीब सवा लाख लोगों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे सरकारी राजस्व का भी नुकसान हो रहा है। इसलिए बांध से पूर्व की तरह पानी की सप्लाई शुरू की जाए।

बारिश से मानसरोवर में वी.टी.रोड चौराहे पर 10 फीट सड़क धंसी

जयपुर (कासं)। मानसून की हल्की सी बारिश ने गुरूवार शाम को मानसरोवर की सड़कों की पोल खोलकर रख दी है। न्यू सांगानेर रोड स्थित वी.टी. रोड चौराहे पर तेज धमाके के साथ सड़क धंस गई। इससे सड़क में करीब 10 फीट गहरा और करीब 10 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, अन्यथा जनहानि हो सकती थी।

उधर सड़क धंसने की सूचना पाकर वार्ड 75 की पार्षद भारती मुकेश लख्यानी मौके पर पहुंची और जेडीए व नगर निगम प्रशासन से संपर्क कर गड्ढे के चारों तरफ मिट्टी के कट्टे और बैरिकेट्स लगवाकर रास्ता बंद कराया। पूर्व पार्षद मुकेश लख्यानी ने बताया कि वी.टी.रोड पर पिछले दिनों भी बारिश के दौरान सड़क धंसने से बड़ा गड्ढ़ा हुआ था। पिछली बार टेलीकॉम कंपनियों द्वारा डाली गई भूमिगत केबल्स के कारण सीवरेज लाइन जर्जर हुई थी। इस बार जहां सड़क धंसी है, वहां से बीसलपुर की पेयजल पाइपलाइन गुजर रही है, इसके बगल से भी केबल्स गुजर रही है।

'एक पद पर दो एएनएम, पुरानी एएनएम काम करती रहेगी'

जयपुर। हाईकोर्ट ने एएनएम के पद पर काम कर रही कर्मचारी का तबादला किए बगैर दूसरी कर्मचारी को इस पद पर लगाने के मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक से जवाब मांगा है। अदालत ने पहले से तैनात एएनएम को काम करते रहने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश ओमना मैथ्यू की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता मोहित बलवदा और अधिवक्ता भावना चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता पिछले लंबे समय से सब-सेंटर केशवाना राजपूत, जयपुर में एएनएम पद पर काम कर रही है। वहीं वह अगले साल तीस जून को सेवानिवृत्त होने वाली है। याचिका में कहा गया कि गत छह जुलाई को स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी कर एक अन्य एएनएम कविता को याचिकाकर्ता के स्थान पर स्थानांतरित कर दिया,

- **हाईकोर्ट ने एक कर्मचारी का तबादला किये बिना दूसरी को लगाने पर जवाब मांगा**

लेकिन याचिकाकर्ता का दूसरी जगह तबादला नहीं किया।

जिसके चलते एक पद पर दो एएनएम हो गई हैं। याचिका में यह भी कहा गया कि तबादला आदेश में याचिकाकर्ता का सरनेम भी गलत लिखा है। जिससे साबित होता है कि विभाग ने बिना दिमाग लगाए जल्दबाजी में तबादला आदेश जारी किया है। ऐसे में तबादला आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए याचिकाकर्ता को वर्तमान पद पर काम करते रहने को कहा है।

द्रौपदी मुर्मू को बधाई दी

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार को नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को देश की 15वीं राष्ट्रपति चुने जाने पर फोन करके व्यक्तिगत बधाई और शुभकामनाएं दी।

मत्स्यपालकों व पशुपालकों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण वितरण किया जाए : श्रेया गुहा

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा ने कहा कि किसानों के साथ-साथ मत्स्यपालकों एवं पशुपालकों को भी शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराए ताकि इनकी जरूरतें पूरी हो सके।

- **'राजीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को 25 करोड़ का ऋण वितरण होगा'**
- **'इस वर्ष 5 लाख नए सदस्य किसानों को फसली ऋण का वितरण होगा'**

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने गुरूवार को अपेक्स बैंक में सभी केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों की बैठक को संबोधित किया।

उन्होंने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक नए सदस्य किसानों को फसली ऋण से जोड़ा जाए और इस वर्ष 5 लाख नए सदस्य किसानों को शून्य प्रतिशत पर फसली ऋण का लाभ दिलाया जाए।

गुहा गुरूवार को अपेक्स बैंक में सभी केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि सभी बैंक यह सुनिश्चित करे कि राजीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को आवश्यकता अनुसार ऋण उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 25 करोड़ का ऋण इन समूहों को वितरित किया जाना है। इसके लिए बैंक योजनाबद्ध तरीके से इन समूहों को ऋण सुविधा से जोड़े।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों के क्रम में प्रत्येक ग्राम पंचायत पर ग्राम सेवा सहकारी समिति के गठन किया जाना है। अत: ग्राम सेवा सहकारी समितियों अपनी आय के लिए केवल फसली ऋण वितरण तक ही सीमित नही रहे।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों को व्यवसाय के विविधिकरण के लिए प्रेरित करे ताकि स्वयं की आवश्यकता के साथ-साथ आस-पास के लोगों की जरूरतों को भी पूरा कर सके। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि बैंकों में 500 से अधिक कार्मिकों की भर्ती के लिए शीघ्र ही विज्ञप्ति जारी की जाएगी ताकि बैंकों में कार्मिकों की कमी को पूरा किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्मिशयल बैंकों की तरह ही सहकारी बैंक अपने आप को अपडेट करे।

उन्होंने निर्देश दिए कि नाबार्ड एवं आरबीआई के नियमों की पालना करे। गुहा ने कहा कि एसएलबीसी के पोर्टल पर एसएचजी ऋण वितरण को अपडेट करे साथ ही त्रैमासिक विवरणिया भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि पैक्स कम्प्यूटराईजेशन के लिए ऑडिट आवश्यक है, अत: जुलाई माह तक समस्त पैक्स की ऑडिट सुनिश्चित करे ताकि पैक्स कम्प्यूटराईजेशन के प्रोजेक्ट में इन्हें शामिल किया जा सके।

बैठक में अतिरिक्त रजिस्ट्रार प्रथम राजीव लोचन शर्मा, अतिरिक्त रजिस्ट्रार बैंकिंग ओम प्रकाश पारीक तथा सभी केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशक तथा अपेक्स बैंक के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

'सरकारी जमीन मौजूद है तो उप तहसील के लिए अवाप्ति क्यों?'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, प्रमुख राजस्व सचिव, जयपुर कलेक्टर और फागी एसडीओ सहित स्थानीय तहसीलदार को नोटिस जारी कर पूछा है कि जब सरकारी जमीन मौजूद है तो उप तहसील के लिए भूमि अवाप्ति क्यों की गई है। सीजे एसएस शिंदे और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश भेरूलाल चौधरी व अन्य की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता हनुमान प्रसाद चौधरी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार फागी में उप तहसील, निमेडा बना रही है। जिसमें फागी के कुछ गांवों को शामिल किया गया है। इन गांवों की दूरी उप तहसील से काफी दूर है। इसके अलावा निमेडा में करीब नौ बीघा सरकारी भूमि उपलब्ध है और यह राजकीय भवन के लिए आरक्षित भी है। इसके बावजूद उप तहसील का भवन यहां बनाने के बजाए टोंक सीमा पर निजी भूमि को अवाप्त कर बनाया जा रहा है।

बहू पर अपने पति का गला घोंटकर मारने का आरोप

जयपुर (कासं)। सांगानेर इलाके में एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। दिन में झगड़े के बाद रात को गला घोंटकर मार दिया। पति के सुसाइड करने की बताकर बेटे को लेकर अपने पीहर चली गई। सांगानेर थाने में मृतक की मां ने हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि तिरुपति बालाजी नगर सेक्टर-40 सांगानेर निवासी रुपा देवी (62) ने इस्तगासा के जरिए मामला दर्ज कराया है। मंगोलपुरी नई दिल्ली की रहने वाली अपनी बहू सुनीता पर प्रेमी के साथ मिलकर बेटे अशोक की हत्या का आरोप लगाया है। मृतक अशोक (34) तिरुपति नगर में पत्नी सुनीता और बेटे समीर और अमित के साथ रहता था। वह प्राइवेट टैक्सी कार चलाता था। 2 मई 2022 की रात करीब 10:30 बजे बेटे अशोक के फंदा लगाकर सुसाइड करने की सूचना दी गई थी। टोंक से जयपुर आकर रुपा देवी और परिवार ने बेटे के शव को संभाला। पत्नी सुनीता अपने बेटे अमित को लेकर दाह संस्कार से पहले ही अपने पीहर दिल्ली चली गई। शक होने पर बहू के बारे में जानकारी की।

पता चला कि दोपहर 4 से 5 बजे के बीच में अशोक और सुनीता में झगड़ा हुआ था। बहू सुनीता जान से मारने की धमकी देकर घर से कहीं चली गई। रात को बहू सुनीता अपने प्रेमी के साथ घर लौटी। बेटे अशोक की गला घोंटकर हत्या कर दी। प्रेमी को वहां से भेजकर पति के सुसाइड करने का लोगों को बताया। पीड़िता का कहना है कि जिस प्रेमी के साथ मिलकर बेटे अशोक की हत्या की है। उसकी बहू घंटो अपने कमरे में बंद होकर उससे बातें करती रहती थी। जिसकी कॉल रिकॉर्डिंग भी उसके पास है। उसका पौता समीर अपनी मां के साथ नहीं जाकर उसके पास ही है। पौते समीर को कॉल करके आए दिन धमकियां देती रहती है। कहती है कि तू मेरे पास आ जा। नहीं तो तुझे भी तेरे बाप की तरह जान से मारवा दूंगी। पुलिस ने इस्तगासा के जरिए हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **वृद्धा ने सांगानेर थाने में दर्ज कराया हत्या का मुकदमा**
- **पीड़िता का आरोप है कि प्रेमी से फोन पर कई घंटों तक बातें करती थी बहू, पति की मौत को सुसाइड बताकर पीहर दिल्ली चली गई**